



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
प्रजांड़े, सरी

दिनांक
२४.०२.२३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
१-६

'प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार कई योजनाएं कर रही तैयार'

कृषि अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन को लेकर एक विचार, बोले - प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग



हिसार, 27 फरवरी (राती): वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही हैं। इस समय वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस प्रकार से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है उसको देखते हुए प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग है। साथ ही ज्ञान स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। इससे किसानों को बहुत फायदा होगा।

उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक खेती की तरफ से हर वर्ष इसका लक्ष्य बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पाया करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवायुत व जीवायुत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धन की सीधी बिजाई (डी.एस.आर.) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूँग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रहेगा।

कृषि अधिकारियों की कार्यशाला थुरु

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज रहे। विशेष अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराजा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण

कार्यशाला के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए

हैं। इसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती की अपनी संकेत। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाना से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आहवान किया। हमें ब्लॉक त्रैर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक ट्रिक्स विशेषण मिल सकें। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एपीकल्चर प्रैविट्स (जी.ए.पी.) विकसित किया जा रहा है, जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकें।

किसानों को सरल तरीके से जानकारियां दी जाएं

डॉ. सुमिता मिश्रा ने वैज्ञानिकों से बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से उन तक पहुँचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्प कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मूदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 पीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपने खेती खचं कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यू एंडेशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक भाष्कर

दिनांक

२४.०२.२३

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम
७-८

एचएयू में स्थापित होगी गुड एग्रीकल्चर प्रैविट्स यूनिट

किसानों को सटीक खेतबाड़ी के सिखाएंगे गुर



मंच पर मौजूद कुलपति बी.आर काम्बोज सहित अन्य।

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में से दो दिवसीय ग्राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य औतीथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतीरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। इस दौरान किसानों को लाभान्वित करने के लिए प्राकृतिक खेती से लेकर मौसम की सटीक जानकारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। प्रदेशभर के किसानों के लिए एचएयू में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रैविट्स यूनिट स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि किसानों को जहां समय बढ़ाज

खेतीबाड़ी के गुर सिखाए जायेंगे। उन्हें खेती में घरिया और अन्य के प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी जाएगी, ताकि कृषि उत्पादन के दौरान प्रृथक् तो भी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा अन्योनित की जाने वाली विभिन्न विस्तार गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतीरिक्त कृषि निदेशक (सांखियकी) डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहूजा ने सभी का स्वागत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैनिक जागरूका	२४.०२.२३	५	२-५

प्रदेश में खरीफ सीजन के दौरान 20 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य : सुमिता कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने दी जानकारी

जगतरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल की कुलपति डा. सुमिता मिश्रा एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डा. नरहरि चांगड़ मौजूद रहे।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डा. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवायत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अर्द्धजी सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ करते डा. सुमिता मिश्रा व अन्य। * जगतरण

को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी विजाई (डीएसआर) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूर्ग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रखा है।

जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 फौसदी अनुदान पर हैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। वैज्ञानिकों से आश्वान किया कि वे बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से उन तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है कृषि महानिदेशक डा. नरहरि चांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान

ब्लाक स्टर पर मौसम प्रयोगशाला की जरूरत मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के माडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। बाताधरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर केंद्र के लिए विशेष फसल लकड़ को अपनाना होगा। हमें ब्लाक स्टर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटीक विश्लेषण मिल सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अजीट सभापति

दिनांक

28.02.23

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम
1-३

प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. सुमिता मिश्रा



कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद कुलपति बी.आर कार्बोज व एसीएस डॉ. सुमिता मिश्रा सहित अन्य।

हिसार, 27 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में

मद्द मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूँग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रखेगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में आने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। वैज्ञानिकों से आहवान किया कि वे बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल

और सहज तरीके से उन तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है।

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपने खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यु एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने देश के खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की।

इस कार्यशाला के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीत सभान्ध/२

दिनांक

२४.०२.२३

पृष्ठ संख्या

५

कॉलम

६-१

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांगः प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 फरवरी (बिरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय ग्रन्थ स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी. आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अंतर्रिक्ष मुद्रण सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मैजूद रहे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. वी. आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। इसें सही या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के हिए आव्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक स्टिक लिफ्टेक्स मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जो.ए.पी) विकसित किया जा रहा है जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सचा मैट्टु	28.02.23	५	५-४

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे गठन

मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांगः कंबोज

हिसार (सचा कहू़/प्रधानमंत्री सुनदर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला' का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्यालिंग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर कंबोज रहे। विशिष्ट अतिथि अंतिरिक्ष मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराजा प्रताप बांगवाहनी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहर बांगड़ भीजूट रहे। मुख्यालिंग कुलपति प्रो. वी.आर कंबोज ने अपने सचोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेतों के मौड़ल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप



में जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेतों को अपना सकें। चालाकरण असेतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को

से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को साध करने के लिए आडवान किया। हमें ब्लॉक स्टर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने को जरूरत है, जिससे किसानों को

कम समय में और अधिक रिकॉर्डेशन मिल सकें। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड़ एडीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी.) विकसित किया जा रहा है जिसको

किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकें। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के टिप्पणी की मई सिफारिशों ग्रह मंदन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करनाने को लेकर किया गया है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि बर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवाय परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए मरकार प्राकृतिक खेतों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही हैं। गवर्नर कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के स्थल को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेतों करवाई थी। विश्वविद्यालय ने विस्तार शिक्षा नियोगिक डॉ. बलचंद्र सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभृतज्ञाता	28-02-23	2	1-4

बढ़ता तापमान गेहूं के लिए चुनौती, किसानों को अपने सुझाव दें वैज्ञानिक : सुमिता मिश्रा

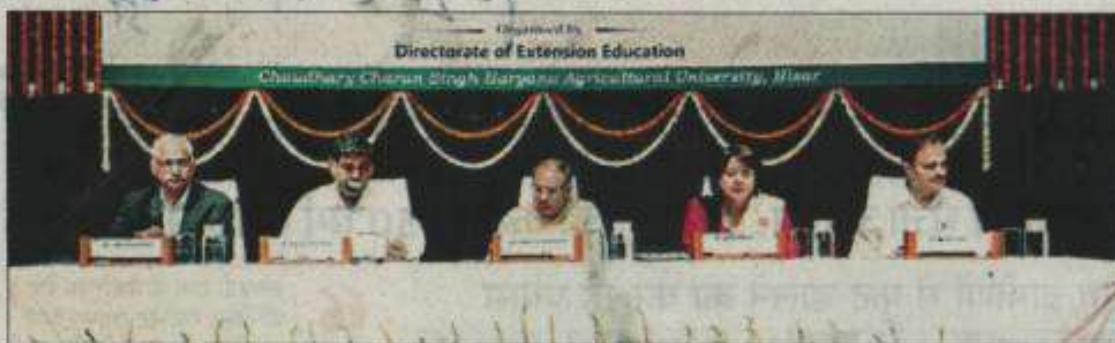
एचएयू में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुरू, फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि पिछले वर्ष तापमान में अचानक हुई बढ़ोतारी से 15 से 20 दिनशत तक गेहूं का उत्पादन गिर गया था। इस बारे फिर से फरवरी में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को बदलते मौसम में फसलों को नुकसान से बचाने के लिए अपने सुझाव दें। मौसम के बदलाव को सहन कर सकने की तीव्रता किस्मों को विकसित करने अवश्यक परिवर्तन में सबसे बड़ी चुनौती जायेगी। परिवर्तन है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय-भारतीय में आयोजित दो दिवसीय मुख्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसमें एसीएस जैया मिश्रा ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्वाधित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए छह हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती कारबाही है। 1-

किसानों को जीवान्मृत व वीजायूत बनाने की ट्रीनिंगें; खरीफ सीजन में 20 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य होगा। धान की सीधी विजाई (डीएसआर) का लक्ष्य एक लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। समर मूँग का लक्ष्य एक



एचएयू में आयोजित कार्यशाला में मंच पर उपस्थित एसीएस सुमिता मिश्रा, एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज य अन्य। संवाद

दस एकड़ में विकसित करेंगे जीएपी

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड प्रैक्टिकलर प्रेक्टिस (जीएपी) विकसित किया जा रहा है। जिसमें सभी मॉडल अनुदान पर ढंचा का बीज उपलब्ध करवाएगा। किसानों को सांख्यिकी हेल्प कार्ड दिए जाएंगे।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि हरियाणा की गिरटी तथा जलवायु में काफी अंतर है। ऐसे में हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल बढ़ावा अलग किस्मों को अपनाना होगा।

वैज्ञानिकों से मौसम रोधी फसलों को विकसित करने के लिए आव्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनानी होगी। जिससे कम समय में अधिक स्टीक जानकारी दे सकेंगे।

किसानों की लागत घटानी होगी

कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि हमें किसानों की लागत कम करनी होगी। फसलों के अच्छे दाम दिलाने के लिए उत्पाद में वैल्यू एडिशन कराना होगा।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया

विश्वविद्यालय के विद्यार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने पिछले एक माल की उपलब्धियों की जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने एचएयू की ओर से विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी। अतिरिक्त कृषि निदेशक (साइंसिस्ट) डॉ. आरएस सोलकी ने खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का स्वागत किया। मंच सचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। इस कार्यशाला में सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घ भूमि	28-02-23	3	1-5

कार्यशाला

पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान

प्रदेश भर से कृषि अधिकारी तथा वैज्ञानिक करेंगे मंथन

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांगः कुलपति

हरियाणा न्यूज > हिसार



बांगड़ मौजूद रहे।

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें फसल सिफारिशों के लिए अपने विचार

रखेंगे। मूल्यांकित कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्वी

20 डिसेंबर का लक्ष्य : डॉ. मिश्रा

डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि कर्माचार परिवेश ने जलसे बहु दुलोती जलवाया परिकर्त्ता है। इससे विप्रांते के लिए स्वरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ाव देने के लिए योजनाएँ तैयार कर रही हैं। यह कार्य कार्यालय द्वारा प्रवेश ने 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 डिसेंबर द्वितीय तो प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों द्वारा लक्ष्य को बढ़ाव देने के लिए दूसरा विप्रांत विप्रांतों को जीवानसाथ बोजावाट बनाने की देखिंग की गयी। डिसेंबर अंत तक लक्ष्य को बढ़ाव देने के लिए अंतिम 20 डिसेंबर द्वितीय के लक्ष्य को प्राप्त करने में जबरदस्ती देखिंग की गयी।

या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्ट्रक्चर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक स्ट्रिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विवि में 10 एकड़ में गड़ एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी.) विकासित किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समाचार पत्र का नाम समाचार पत्र का नाम	दिनांक 27.02.2023	पृष्ठ संख्या -----	कॉलम -----

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. काम्बोज



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बुद्ध पत्र का नाम दैलो दूरिभजा।	दिनांक 28.02.2023	पृष्ठ संख्या -----	कॉलम -----
---------------------------------------	----------------------	-----------------------	---------------

3

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. बी.आर काम्बोज



हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मूल्य अनुष्ठि विश्वविद्यालय के कृनपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जनरल विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मूल्य संचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कृनपति महानाया प्रताप बग्गानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ.

मूमिला गिला व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बहादुर मीनूर रहे।

मूल्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रात्यक्ष रूप से जानकारी लासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वालाहरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर

कृषि अधिकारियों की दो विद्यरीय कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

सेव के लिए विशेष फ़सल चाहू को अपनाना होगा। उन्होंने खेती या जल से फ़सल खुराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें जनक स्तर पर भीसम प्रयोगशाला बनाने की ज़रूरत है, जिसमें किसानों को कम समय में और अधिक स्टिक विश्लेषण प्रिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गृह एग्रोकल्चर प्रैक्टिस (जी.ए.पी.) विकसित किया जा रहा है जिसको किसान अपने घरों में अपनाकर कारबूल उठा सकेंगे।

प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. मूमिला मिश्रा

डॉ. मूमिला मिश्रा ने बताया कि नीतियां परिवेश में महमें बड़ी बदौली जलवाया परिवर्तन है। इसमें निपटने के लिए यहां प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही हैं। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रैटेज में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती को तरफ़ किसानों के बढ़ते बड़ान को देखते हुए विभाग हिसानों को जीवायूत व बीजायूत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिसमें आने वाले खरीफ मीडन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र बजे	27.02.2023	-----	-----

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. काम्बोज

ਫੁਰੀ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀ ਵੇਖਣੀ ਸ਼ਹੀਦ ਕਰਨਾ
(ਸੀਲ) ਦਾ ਸੁਭਾਗ, ਪਟਿਆਲਾ ਦੀ ਫੁਰੀ
ਅਧਿਕਾਰੀ ਕਮੇਤੇ ਕਾਗਜ਼

प्राची वार्षि व्याप

हिंदू। और यह विश्व संसार की विविधताओं में अब से ही विद्यों तक अपने कुछ प्रभावशाली जगत्काल का बन गया है। इसमें यहाँ विविधताओं के अनुसार से ही अब जगत्काल तक विविधताओं तक अधिक अधिक विविधताएँ आयी हैं।

मुख्य अधिकारी कानूनी ग्रंथों को अपने अधिकारों
वे अपने संसदीय विधि विभाग के द्वारा दीर्घाला के बड़ी
हितवाल केंद्रों में वासानिक विवेद के लिए उत्तम
पाता है। विभिन्न विभाग विभागों का अन्तर्वाल
विभाग का विभागीय विभाग का अपना विभाग
विभाग विभाग विभाग का विभाग है। इस विभाग
के लिए विभिन्न विभाग विभाग की अपनी विभाग
विभाग विभाग की विभाग विभाग की अपनी विभाग



वर्षाने के लिए विद्युतीको को सोपे करने के लिए अधिकान लिया गया था तो यह विद्युत प्रयोगशाला बनाने के लक्ष्य हैं। विद्युत विद्युतीको को कम समय में और उचित रिटर्न विद्युतीकरण के लिए विद्युतीकरण में 10 प्रतिशत में भी प्रदूषण कम करने के लिए योग्य है। विद्युत विद्युतीकरण को जल व जल विद्युतीकरण आदि योग्य है। विद्युत विद्युतीकरण को जल व जल विद्युतीकरण अपने जल व अपनी जल विद्युतीकरण को लक्ष्य करते हैं। उन्होंने जल व जल विद्युतीकरण का विकास विद्युतीकरण इस विद्युतीकरण के लिए जल व जल विद्युतीकरण का विकास जल व जल विद्युतीकरण को लक्ष्य करते हैं।

प्रारंभिक जुलाई में विभिन्न 22 दृष्टिकोणों
का वर्णन हुआ सम्पूर्ण चित्र।
यह सुनिश्चित चित्रों के बहुत बड़े प्रयोग
प्रतिक्रिया में सक्षम था, और उन्हें लोकों की विचारना
विभिन्न दृष्टिकोणों के लिए उपलब्ध थी। इसके अलावा,
विभिन्न दृष्टिकोणों के लिए विभिन्न चित्रों का वर्णन
हो गया, जिनमें से एक विभिन्न दृष्टिकोणों के लिए
एक विभिन्न कलाकारों द्वारा बनाये गये हैं। इसके अलावा,
प्रारंभिक चित्रों के बहुत सारे दृष्टिकोणों के लिए एक
सारी विभिन्न चित्रों के बहुत सारे दृष्टिकोणों के लिए एक
विभिन्न विभिन्न चित्रों के बहुत सारे दृष्टिकोणों के लिए एक
विभिन्न विभिन्न चित्रों के बहुत सारे दृष्टिकोणों के लिए एक

में प्राकृतिक संस्कृते के अन्तर्गत 20 शब्दों के व्यापक उपयोग में लीखा गया एवं इनके लिये कोई अलग क्रम में नहीं। विभिन्न विषयों के संबंधित व्यापक को उपयोगिता द्वारा यह व्यापक ने बताई गई।

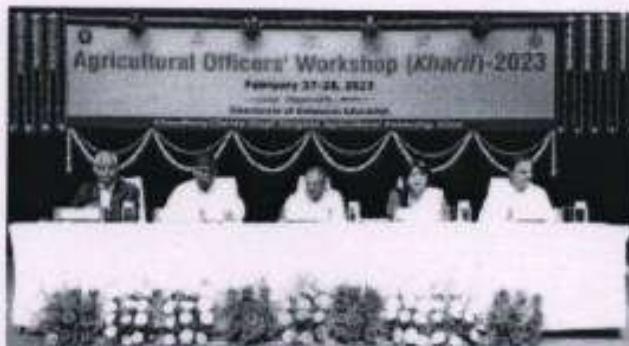


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एन्डुस्चाल खबाना	27.02.2023	-----	-----

| जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की योजनाएं बना रही सरकार : डा. समिता मिश्र

— 27 Feb 2023 19:14:51



मुख्य संकारण



एवं इनी किसी बायो से विभिन्न अवधि की जगह

~~1998-2004-4-FBI-MAP-001-2014-From right side
11-17-04~~



मुकामोरी नहीं, अल्पोदय उत्तरान का है लक्ष्य—
पुनिः प्राप्ति विभवादेव तुम् ॥ यस्मात् वाचात् वर्णनः



करियर के अध्ययन में भी भावना अवधि को लाने के लिए आवश्यक है।

प्राचीन रूप से लिखा हुआ शिल्पीय अधिकारी का वर्णन

किसानों का वर्षायी हिस्सा कृषि पर्याप्त फिल्मों जनसभा विभाग द्वारा अधिकारित सूचीय लिपिद्वारा सुचित किया जाता है तो यह सारांश दिल्ली में बदले जाने वाली जनसभा सूचीय लिपिद्वारा है। कृषकों लिपिद्वारे के द्वारा प्रत्यक्ष प्राप्तिक्रिया के बाबत दिल्ली के द्वितीय सारांश दिल्ली का रही है।

जा. नुस्खिता जिनका सामग्रीय को दृष्टिकोण कृपि विधवादिकाल में युवा हुई हो दिवसीय साउच सरलीय कृपि अधिकारी आवश्यकता को बढ़ायिए थे ऐसी थी। उन्होंने इहाँ फैलात वैद्य विज्ञान ने दृष्टिकोण में 2500 एकड़ के विषय की बात लिया। यह एक विश्वास विभाग ने विवरित की है।

पार्श्वानुकूल भेदी की तरफ विस्तार के बढ़ते कठाल को टैचरे हृषि विज्ञान विभागीय की जीवान्तर में लीजान्ड्रू बनाने की दृष्टिकोण द्वारा, जिसमें आगे जाने परीक्षा विभाग में पार्श्वानुकूल भेदी के अंदरीन 20 हजार एकड़ के साथ जैसे हैं। इसके अन्तर्गत यह कीमती है कि इसके अंदरीन विज्ञान (जीवान्तर) का साथ एक लाख एकड़ में विद्युत द्वारा दी जाने वाली रकम है। जाथ ही विज्ञान का प्रथम विकास 10 से 15 एकड़ की कीमति द्वारा दी जाने वाली रकम का बहुत दूर है।

माल और बहुत बहुत ज़रूरी है कि इनका विकास के लिए सहायता देना चाहिए। इसके लिए यह अपनी भागीदारी ने हाल ही में अपनी अपेक्षा अधिक धूमधारी वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने देश के व्यापक उद्योगों में इवियाणा की विविधताओं के लिए उपलब्ध दोषीय वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। इसका अर्थ यह है कि इवियाणा के लिए वित्तीय कोषों में प्राप्तिकर्ता की भौमिका बढ़ावा देना है। जिम्मेदारी कियाने पर व्यवस्था बदल जाए तो अपनी वित्तीय सहायता के लिए अपनी वित्तीय सहायता देने की अपेक्षा अधिक धूमधारी वित्तीय सहायता देनी चाहिए। उन्होंने यही लक्ष्य से व्यवस्था का बदलाव किया है जिसकी वजह से उपलब्ध वित्तीय सहायता के लिए अपना वित्तीय सहायता देने की अपेक्षा अधिक धूमधारी वित्तीय सहायता देनी चाहिए। इसके लिए वित्तीय सहायता की अपेक्षा अधिक धूमधारी वित्तीय सहायता देनी चाहिए।

विश्वविद्यालय के विभागों में निटेंजन डॉ. जलदात निष्ठा अड्डे ने वर्षभाग की विस्तृत जानकारी देकर युवा निटेंजन द्वारा आधोरित की जाने वाली विश्वविद्यालय विभाग समितिपितों के बारे में अधिक जानकारी। अनुसंधान निटेंजन द्वारा जीवनशास्त्र एवं ने विश्वविद्यालय द्वारा विभागित की गई विभिन्न एवं प्राचीन कालीन की जानकारी देकर युवा निटेंजन डॉ. जलदात ने यह अनुसंधान जानकारी के बारे में विस्तृत प्रौढ़ वर्णन कराया। इस जानकारिया के द्वारा उपलब्ध प्राचीन कालीन की जानकारी के बारे में विस्तृत प्रौढ़ वर्णन कराया। इस जानकारिया के द्वारा उपलब्ध प्राचीन कालीन की जानकारी के बारे में विस्तृत प्रौढ़ वर्णन कराया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नैटुरल भास्कर	२४-०२-२३	२	७-८

एचएयू में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

स्ट्री रिपोर्ट • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागर में सत्र दिवसीय राष्ट्रीय एकत्र शिविर का अध्योजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सञ्चाल कुमार व राजेन्द्र सेनी मुख्य वक्ता थे। सञ्चाल कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति वरं जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं, राजेन्द्र सेनी ने स्वयंसेवकों को प्रार्थनिक विकित्सा, सीधीआर एवं स्वतं दान विक्रम पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सीधीआर करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अध्यास करवाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब लेसरी

दिनांक

२४-०२-२३

पृष्ठ संख्या

३

कॉलम

१-३

हकृति ने स्वयंसेवकों को लिखाया योगाभ्यास

हिसार, 27 फरवरी (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में २ दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सैनी भूख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति व बारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं राजेन्द्र सैनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक विकित्सा, सी.पी.आर. एवं रक्त दान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुल्ले के माध्यम से सी.पी.आर. करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अभ्यास करवाया।

शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत



योगाभ्यास करते स्वयंसेवक।

योगाभ्यास के साथ ही, जिसमें श्री रोहताश कुमार ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया व योग के महत्व वारे अवगत करवाया। स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब व दिल्ली के स्वयंसेवकों ने अपने प्रांत की संस्कृति का प्रदर्शन किया व बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियाँ देकर सभी लोगों का मनमोह लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेखनियां	२८.०२.२२	१	५८

इकृति के साक्षीय एकता रिपोर्ट में स्वयंसेवकों को सिखाया गया अनुच्छेद
 इसका अधिकारी ने आयोजन किया जा रहा है। रिपोर्ट में दूसरे दिन स्वयंसेवकों द्वारा दूसरे दिन स्वयंसेवकों को नए नुस्खे बारे जागरूक किया व उनकी जिहाज का भी समाचार किया। वहीं राजेन्द्र नैनी ने स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण विकास, सौभाग्य एवं रक्त द्वाल विषय पर जागरूक किया। उन्होंने बाबूबापुत्रों के बाब्यन से सौभाग्य एवं करके मौर्खाया एवं स्वयंसेवकों को भी इनका अभ्यास करवाया। रिपोर्ट के दूसरे दिन की शुरुआत, योगान्वयन के सब दुह जिसने राजेन्द्र नैनी ने स्वयंसेवकों को योगान्वयन करवाया व योग के नहर्ता बारे अवकाश करवाया। स्वयंसेवकों के लिए ऑलार्कूड परियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसने जग्नू-कृष्णन, पंजाब व फ़िल्मों के स्वयंसेवकों ने अपने पात की संस्कृति का प्रदर्शन किया व वहाँ थीं युवर प्रस्तुतियां पर ताहि श्रेत्रज्ञों का मनोहर लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत सभान्धा॒	२४.०२.२३	५	६

एकादशी के अवसरे एकता शिविर में स्वयंसेवकों को योगाभ्यास

सिवार, 27 फरवरी (विरेंद्र बहाने): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सेनी मुख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नरा मुक्ति वारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वही राजेन्द्र सेनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर एवं स्कृदान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सीपीआर करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अध्यास करवाया। शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास के साथ हुई जिसमें रोहताश कुमार ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया व योग के महत्व वसे अध्यगत कराया। स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने ड्रॉसाहूर्वक भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त दरिपणा	27.02.2023	-----	-----

हकूमि के राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

માર્ગદર્શિકા



राजकीय महिला महाविद्यालय में सांगीतिक वाद्य यंत्रों की पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

समाज संशोधन वार्ता

विद्या, २७ अक्टूबर। एक वर्ष का यह जीवन का एक दृष्टिकोण है जो बड़े सारे विषयों के लिए उपलब्ध है। इसमें विद्या का विवरण दिया गया है। विद्या का विवरण दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
बाढ़ के पक्ष्य	27.02.2023	-----	-----

आत्मनिर्भर भारत बनाने में स्वयंसेवकों की अहम भूमिका : प्रो. बी.आर काम्बोज राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, विभिन्न प्रदेशों के स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

पाठकपत्र न्यूज़

हिसार, 27 फाल्गुनी : चौधरी सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सम्पादन में आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें सूख अतिथि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी, वी.आर काम्बोज रहे, जबकि विश्वविद्यालय के एकत्रित देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के मूल को समझने में इम राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। इम शिविर में विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव में सेवा करने, समाज में भाईचारा कायद करने व एक-दूसरे को सम्झौते का सम्बन्ध करने का धारा ऐसा प्रबलान्वित कर दिया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गोंत गाया। कृषि प्रौद्योगिकी एवं विद्यालय के अधिकारी ने एकता शिविर का आनंद लिया।

मरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का सूख उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, यामोदेव कृष्णकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे यह तोकतात्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के मूल को समझने में इम राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। इम शिविर में विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव में सेवा करने, समाज में भाईचारा कायद करने व एक-दूसरे को सम्झौते का सम्बन्ध करने का धारा ऐसा प्रबलान्वित कर दिया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गोंत गाया। कृषि प्रौद्योगिकी एवं विद्यालय के अधिकारी ने एकता शिविर का आनंद लिया।



अतिथि क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधरलाल ने विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बहुत से प्रदशों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि के क्षेत्र में भी अपनी अद्यती भूमिका निभा रहा है। उन्होंने हक्की के अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मूर्खाली और भ्रमणवर्धन भाग में योगदान के लिए ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि अलग अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है,

जिसमें वे खेलकूद महत्वाकांक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से अलग राज्यों की पारंपरिक वेशभाषा से लेकर मंस्कृति में जुड़े गए। जिसमें स्वयंसेवकों को देश के विविधताओं को जानने का अवसर मिलेगा। साथ ही भाषण प्रतिवार्षित, फाइन आर्ट व निटरों में मंस्कृत प्रतिवार्षित के भाषण से अलग करना का भी प्रदशों के लिए ध्यान दिया जाएगा। डॉ. टिंबल कृष्णन ने बताया कि ग्रामीण एकता शिविर ही सेवा में भगत मिह ने स्वागत किया और अन्त में डॉ. चंद्रशेखर दासर ने सभी का धन्यवाद किया।

राज्यों की संस्कृति को समझने का अवसर भी प्रदान करती है। अगले समाज में विविधता व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में अदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी कला का सही दिशा में प्रशोध करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रवि कल्याण निदेशक डॉ. अनुल दोषदा ने बताया कि यह राष्ट्रीय एकता शिविर स्वयंसेवकों को भी जानने का बहुत अवश्यक प्रदान करेगा। स्वयंसेवक हमारे देश का परिवर्ष है और आने वाले समय में भारत को विश्व गुरु बनाने में योगदान देंगे। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एम. के. पाल्जा ने अच्छी आदानों को अपनाने व व्यवहारों में बदले रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना भवानी डॉ. भगत मिह ने स्वागत किया और अन्त में डॉ. चंद्रशेखर दासर ने सभी का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नीमुक जागरण	२४-०२-२७	२	६-८



फूलों से खिली बगिया...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रवर्ण द्वार के समीप डिले मौसम के साथ खिली फूलों की बगिया के समीप से घेरे पर मुरक्कन लिए युक्तिया फूलों को निहारती हुई। ● जगटा